

1610
Sr. No. 154 dated 12/4/07

Certified Under Section 42 of the Indian Stamp Act, 1889, that Stamp Duty of

the amount of Rs. 2255650 - (Rupees Twenty two lac

Eighty five thousand Six hundred Fifty -)

has been levied on this document and paid by

Jai Parkash Sh. Sh. Karan Sh. R. Sect-17

Gurgaon, vide Treasury challan No. 14

dated 12/4/07 for Lule land 375,93,750 -



Treasury Officer
Cum Collector Gurgaon
GURGAON.

12/4/07

बयनामा

- | | | |
|---------------------------------|---|----------------------------|
| 1. किस्म वसीका | : | बयनामा |
| 2. गांव/शहर का नाम | : | धनकोट |
| 3. खण्ड का नाम | : | गुडगांव |
| 4. रकबा | : | 40 कनाल 2 मरला |
| 5. मालियति | : | मुब0 3,75,93,750 / - रुपये |
| 6. स्टाम्प मालियति | : | मुब0 22,55,650 / - रुपये |
| 7. स्टाम्प सर्टीफिकेट नं0/तारीख | : | 154 / 13.04.2007 |
| 8. संख्या शब्द | : | 450 |

मनके श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री जीवनदास निवासी 1589, सैक्टर -15, पंचकुला (हरियाणा) बिस्वेदार धनकोट, तह0 व जिला गुडगांव बजरिये मुखत्यारेआम श्रुति भक्त पुत्री श्री देशराज ढींगरा पुत्र श्री जीवनदास हाल पत्नी श्री संजय भक्त निवासी 657,

Shruti

प्रलेख न: 1610

दिनांक 18/04/2007

<u>डीड संबंधी विवरण</u>		
डीड का नाम SALE OUTSIDE MC AREA		
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गांव/शहर धनकोट	स्थित धनकोट
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
चाही	5 Acre 2 Marla	
धन संबंधी विवरण		
राशि 37,593,750.00 रुपये	स्टाम्प ड्यूटी की राशि 2,255,650.00 रुपये	
रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये	

Drafted By: H.R.Khatana, Adv.

यह प्रलेख आज दिनांक 18/04/2007 दिन बुधवार समय बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Suruti Bhakt पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Deshraj Dhingra निवासी 657, Sec-6, Panchkula द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

Suruti
श्री Suruti Bhakt

[Signature]
उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

उपरोक्त विक्रेता श्री/श्रीमती/कुमारी thru:- Amar Singh क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यों को दोनों पक्षों ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रुपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख में वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनों पक्षों की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी H.R.Khatana पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी Kaushal Soni पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Saghbir Singh निवासी Dhankot, Gurgaon ने की।
साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते हैं तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

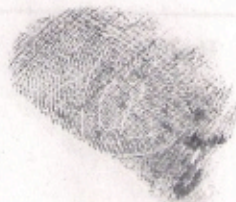
दिनांक 18/04/2007



[Signature]
उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

सेक्टर-6, पंचकूला, बरूवे मुखत्यारनामा आम वसीका 799 दिनांक 29-12-06
पंजीकरण कार्यालय सब-रजिस्ट्रार पंचकूला से हूँ। जो कि मुखत्यारनामा आम आज तक
कैसिल शुदा नहीं है और मुखत्यारकर्ता आज तक जीवित है। जो कि मैं अरजी जरई
खेवट नं0 534, खाता नं0 579, मुस्ततील नं0 57, कीला नं0 11/1/1(1-0), 22(8-0),
मुस्ततील नं0 58, किला नं0 14/1(0-13), मुस्ततील नं0 79, किला नं0 2(8-0),
3(4-11), 8(2-8), 9(8-0), 12(7-10), कित्ता 8 रकबा 40 कनाल 2 मरला सालम, वाका
सिवाना मौजा धनकोट, तह0 व जिला गुडगांव की मालिक व काबिज बरूवे बय इंतकाल
नं0 4138 मंजूर शुदा दिनांक 03.07.2006 की रुह से हूँ। जो कि उपरोक्त विक्रय
अराजी ताहाल हर किस्म के बार से पाक व साफ है ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी पर
कोई सरकारी या गैर सरकारी व संस्था से कर्जा लिया हुआ है। ना ही उपरोक्त विक्रय
अराजी की बाबत आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई रसीद, ईकरारनामा
मुहायदा बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा आदि किया हुआ है। ना ही उपरोक्त विक्रय
अराजी सरपलस में है। ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी कुर्क व नीलाम शुदा है ना ही
उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत किसी किस्म का कोई दिवानी या फौजदारी मुकदमा
किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत किसी दीगर
शक्स को मुखत्यारेआम व मुखत्यारे खास मुन्तकिल करने हेतु नियुक्त किया है, ना ही
आज से पहले उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत मैं विक्रेता ने अपने कानूनी वारिसान व
दीगर शक्स के नाम कोई कोर्ट डिक्री आदि की है, यानि उपरोक्त विक्रय अराजी हर
प्रकार के भार से पाक व साफ है। अब मुझे तरक्की दीगर जायदाद व घरेलू खर्च वगैरा
के लिए रुपयो की जरूरत है और मुझे उपरोक्त विक्रय अराजी की अच्छी कीमत मिल
रही है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व
खुशी से अपने उपरोक्त अराजी रकबा 40 कनाल 2 मरला सालम, को मय हकूक दाखली
व खारजी के बदले मुब0 3,75,93,750/- रुपये (तीन करोड पिच्छतर लाख तिरानवे
हजार सात सौ पचास रुपये) आधे जिनके मुब0 1,87,96,875/- रुपये होते हैं बदस्त
जयप्रकाश पुत्र श्री कर्ण सिंह निवासी 1809, सैक्टर -17, गुडगांव, तह0 व जिला
गुडगांव, को बय कतई बय कर दी है। उपरोक्त विक्रय रकबा की कुल जरे बय मुब0

gpruti



Reg. No. 1610 Reg. Year 2007-2008 Book No. 1



विक्रेता



क्रेता



गवाह

विक्रेता
Suruti Bhakt Shruti

क्रेता
thru:- Amar Singh A Singh

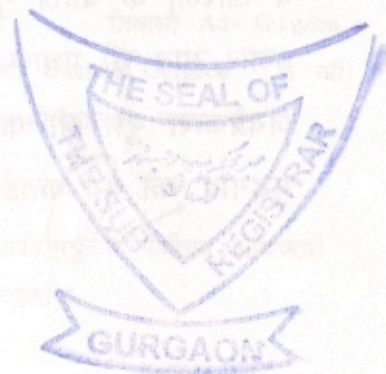
गवाह 1:- H.R.Khatana [Signature] गवाह 2:- Kaushal Soni कोशल सोनी

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 1,610 आज दिनांक 18/04/2007 को बही न: 1 जिल्द न: 9,753 के पृष्ठ न: 141 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 832 के पृष्ठ सख्या 54 से 55 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

दिनांक 18/04/2007

[Signature]
उप/सयुक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगावा



3,75,93,750/- रुपये (तीन करोड़ पिच्छतर लाख तिरानवे हजार सात सौ पचास रुपये)
खरीदार से रोबरु गवाहान निम्न प्रकार वसूल पा ली है।

मुब0 93,750/- रुपये (तिरानवे हजार सात सौ पचास रुपये) नकद

मुब0 3,00,00,000/- रुपये (तीन करोड़ रुपये) बजरिये बैंक ड्राफ्ट दिनांक 15.02.2007

जारीकर्ता ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, सैक्टर-17 गुडगांव

यह कि विक्रेता व खरीदार की आपसी रजामंदी से विक्रेता ने उपरोक्त रकम में से मुब0

1,50,00,000/- रुपये (एक करोड़ पचास लाख रुपये) बजरिये बैंक दिनांक 21.03.2007

खरीदार को वापिस अदा कर दिए थे तथा अब खरीदार ने बाकी जरे बय विक्रेता को
निम्न प्रकार अदा कर दिये हैं

मुब0 1,00,00,000/- रुपये (एक करोड़ रुपये) बजरिये बैंक नम्बर 181961 दिनांक

27.03.2007 जारीकर्ता ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, सैक्टर-17

गुडगांव

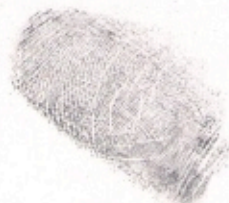
मुब0 1,25,00,000/- रुपये (एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये) बजरिये बैंक नम्बर

181970 दिनांक 18.04.2007 जारीकर्ता ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स,

सैक्टर-17 गुडगांव

इस प्रकार विक्रेता ने खरीदार से कुल जरे बय मुब0 3,75,93,750/- रुपये (तीन करोड़
पिच्छतर लाख तिरानवे हजार सात सौ पचास रुपये) वसूल पा लिए हैं अब उपरोक्त
विक्रय अराजी की बाबत खरीदार से कोई लेन देन बाकी नहीं रहा है, विक्रित अराजी
रकबा 40 कनाल 2 मरला सालम का खरीदार को देकर अपने जैसे मालिक व काबिज
बना दिया है। खरीदार को हक हांसिल होगा आराजी मुबईया को जिस तरह चाहे
इस्तेमाल करे, मुझे कोई उजर व एतराज नहीं होगा। दाखिल खारीज कागजात माल मे
मै विक्रेता दर्ज कराकर मन्जूर करा दूंगी। अगर न कराउ तो खरीदार को हक हांसिल
होगा की वह बजरिये बयनामा हजां दस्तावेज खुद करा लेवे, मुझे कोई उजर व एतराज
नहीं होगा। आज से पहले उपरोक्त विक्रय अराजी रकबा की बाबत जो भी सरकारी व
गैर सरकारी देनदारी होगी उन सबको मै विक्रेता चुकता करने की पाबन्द रहूंगी। आज
के बाद जो भी सरकारी या गैर सरकारी देनदारी होगी उन सबको खरीदार स्वयं चुकता

shruti



THE SEAL OF

11/11/2019



करने का पाबन्द रहेगा। अगर आराजी मुबईया या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार से निकल जावेगा तो मैं विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय खरचा, हरजा मय लागत अदा करने की पाबन्द रहूंगी। आज के बाद मेरा व मेरे वारिसान का उपरोक्त विक्रय आराजी मुबईया से कोई तालुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। जो कि इस बयनामा को पंजीकृत कराने का तमाम खर्चा जैसे बयनामा पंजीकरण फीस, स्टाम्प, इत्यादि सब खरीदार ने अपने पास से किया है। मैं और मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। अतः यह बयनामा खूब सोच समझकर, अपनी मर्जी व खुशी से बगैर किसी दबाव के अपनी शुद्ध बुद्धि व स्वेच्छा से लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें। तहरीर तारीख:

[Signature]

Hem Ram Khatana
Advocate
Gurgaon

[Signature]

बाया :
श्रीमती शांति देवी बजरिये मुखत्यारेआम
श्रुति भक्त

Shruti



गवाह 1:

[Signature]
Hem Ram Khatana
Advocate
Gurgaon

Amr Singh
खरीदार की तरफ से
अमर सिंह

॥ ११ ॥ ११ ॥

गवाह 2:

श्री श्रीशिवजीजी उग्रजी
दलजीत सिंह, श्री गोवं
दलजीत सिंह २३.११.११

25 May

वर्क नमस्

रजिस्टर इन्सकालात गांव	नं० इन्सकाल	तहसील	जिला	वर्ग
1	2	3	4	5
6	7	8	9	10
11	12	13	14	15

इन्द्राज जमाखन्दो गुनस्ता या आखरी बाकी इन्कात जिसको तरमीम मतलुब है

इन्द्राज जदीद जो अब कायम किया जाएगा

[illegible]